दिनांक 11.08.2015 से 13.08.2015 तक श्री बी0सी0 निगम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड रांची का मेदिनीनगर, गढ़वा एवं लातेहार स्थित वन विभागीय कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय भ्रमण से संबंधित निरीक्षण प्रतिवेदन

गढ़वा दक्षिणी वन प्रमण्डल :

(1) वित्तीय वर्ष 2014–15 में इस प्रमण्डल में मुख्यतः निम्न कार्य किये गये : – लघु वन उपज उन्नयन योजना अन्तर्गत 125 सहायक समूहों को 12500 वृक्षों पर लाह लगाने का कार्य, सहायक वन प्रबंधन समितियां का निबंधन, नवीकरण एवं परिचय पत्र इत्यादि देने का कार्य । प्रमण्डल में कुल 187 वन प्रबंधन समितियां हैं जिनका पंजीकरण का कार्य पूर्ण बतलाया गया है । इसके अतिरिक्त पथ तट रोपण योजना अंतर्गत 9000 गैबियन एवं भू–संरक्षण एवं वन संरक्षण योजना अंतर्गत 250 हे0 अग्रिम कार्य, 300 पक्का सीमा स्तम्भ एवं अग्नि रेखा निरीक्षण इत्यादि के कार्य किये गये हैं ।

(2) भंडरिया वन क्षेत्र के अंतर्गत वन विश्रामागार के निकट लोदीडीह वनरोपण कार्य का निरीक्षण किया । तीन भू–खण्डों में 30 हे0 क्षेत्र + 10 हे0 + 10 हे0 वनरोपण किये गये । वनरोपण अच्छी स्थिति में पाया गया । वनरोपण से संबंधित सभी अभिलेख भी तैयार एवं अच्छी स्थिति में पाया गया ।

(3) **भंडरिया से बरगर** :– पथ तट वनरोपण का कार्य का निरीक्षण किया 1500 पौधे लगाये गये हैं जिन्हें अच्छी हालत में पाये गये ।

(4) वन विश्रमागार भंडरिया में बाउन्ड्री वॉल नहीं हैं जिसके कारण अतिक्रमण की संभावना है इसलिए कम से कम बाउन्ड्री के रूप में झाड़ी लगाकर ग्रीन हेज लगाई जाय एवं बाउन्ड्री वॉल बनाने का प्राक्कलन अलग से दिया जाय ।

(5) रंका पूर्वी वन क्षेत्र के अंतर्गत गोदरमना से भंडरिया वन पथ पर वृक्षारोपण का निरीक्षण किया 1000 वृक्ष लगाये गये हैं वन क्षेत्र पदाधिकारी श्री सुरेश प्रसाद हैं, कार्य अच्छा पाया गया ।

(6) विश्रामपुर से रंका पथ पर 500 गैबियान में वृक्षारोपण का निरीक्षण किया, वनरोपण की स्थिति अच्छी पाई गई ।

(7) विश्रामपुर पी0एफ0 में कैम्पा योजना अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 हे0 में 83300 वृक्षारोपण का निरीक्षण किया । पौधों की स्थिति ठीक पाई गई ।

(8) विश्रामपुर पी0एफ0 में ही कैम्पा योजनान्तर्गत चार वर्षों के वृक्षारोपण का निरीक्षण किया, जो 25 हे0 क्षेत्र में है । वृक्षारोपण की स्थिति अच्छी पाई गई ।

(9) 13वें वित्त आयोग अंतर्गत 35 हे0 क्षेत्र में विश्रामपुर पी0एफ0 में ही तीसरे वर्ष के वृक्षारोपण का निरीक्षण किया जिसमें लाह पोषक पौधों का वृक्षारोपण किया गया है । वृक्षारोपण साधारण स्थिति में पाई गई । अधिकारियों ने बताया कि अत्याधिक गर्मी के कारण अकेसिया के बड़े–बड़े पौधे भी जल कर मर गये जिसे पुनः Replace किया जा रहा है ।

(10) शेरसायम पी0एफ0 अन्तर्गत रंका पश्चिमी प्रक्षेत्र में स्थायी पौधशाला का निरीक्षण किया । 37500 स्टम्प तथा 12500 फलदार वृक्ष लगाने के लक्ष्य के साथ 19080 लम्बे पौधे लगाने का लक्ष्य है । पौधशाला की स्थिति ठीक पाई गई । पौधशाला में पानी की कमी है, इसलिए बोरिंग कराने का निदेश दिया गया ।

(11) वनरक्षी 81 स्वीकृत पद के विरूद्ध मात्र 16 कार्यरत हैं, वनपाल 17 स्वीकृत पद के विरूद्ध मात्र 04 कार्यरत हैं ।

<u>गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल</u> –

(12) इस प्रमण्डल के कार्यालय में 13 के स्थान पर 12 सहायक हैं, वनरक्षी 72 के विरूद्ध मात्र 11 एवं वनपाल 12 के विरूद्ध मात्र 06 है ।

(13) इस प्रमण्डल द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 में निम्न कार्य किये गये हैं :– वन समितियों का नवीकरण, विगत वर्ष के वृक्षारोपण कार्य का संपोषण कार्य, 9000 गैबियन का अग्रिम कार्य, 150 हे0 सिल्वीकल्चर ऑपरेशन, 200 हे0 में वनरोपण हेतु अग्रिम कार्य एवं 300 पक्का सीमा स्तम्भ इत्यादि । इसके अतिरिक्त गढ़वा में एक सामुदायिक भवन भी बनवाया गया है । सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया गया । इस सामुदायिक भवन में फर्नीचर इत्यादि की आवश्यता है, जिसके लिए कार्रवाई की जाय ।

(14) गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के कार्य योजना की स्वीकृति हेतु Index map बनाने की कार्रवाई की जा रही है, जिसे एक माह में पूरा करने का अश्वासन वन प्रमण्डल पदाधिकारी ने दिया ।

(15) वन प्रमण्डल में, नये वन प्रमण्डल पदाधिकारी श्री ए0के0 दूबे ने कुछ दिन पूर्व हीं योगदान दिये हैं । उन्हें निदेश दिया गया कि प्रमण्डलीय कार्यालय को

ठीक से समीक्षा कर पूर्व के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर लें एवं मुश्तैदी से अपना कार्य करें ।

लातेहार सामाजिक वानिकी प्रमण्डल –

(16) इस प्रमण्डल में श्री आर0पी0 सिंह, वन प्रमण्डल पदाधिकारी हैं, जिनका मुख्यालय लातेहार है । उनके प्रमण्डल में 15 वनपालों के स्थान पर 01 वनपाल तथा 60 वनरक्षी के स्थान पर 04 वनरक्षी पदस्थापित हैं ।

दुवियाखांड से बेतला –

(17) इस पथ पर चार वर्ष पूर्व कराये गये वृक्षारोपण का निरीक्षण किया गया। वृक्षारोपण में 2000 गैबियन लगाये गये हैं उसकी स्थिति अच्छी नहीं पाई गई । वन प्रमण्डल पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान वर्ष में 1000 पौधे को Replace किया गया है । इसमें और सुधार की आवश्यकता है । वृक्षारोपण उनके पूर्व के अधिकारी श्री नागेन्द्र बैठा द्वारा किया गया, जिनकी स्थिति अत्यन्त असंतोषजनक है । इस संबंध में श्री नागेन्द्र बैठा से स्थिति स्पष्ट करने को कहा जाना चाहिये ।

(कार्यवाही संबंधित अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी)

(18) डी0ए0भी0 ईंजिनियरिंग कॉलेज बुसरिया, डालटनगंज एवं जी0एल0ए0 कॉलेज, डालटेनगंज में वर्तमान वर्ष में 1000 पौधे बैम्बू गैबियन शहरी वनरोपण के अंतर्गत लगाये गये हैं । वृक्षारोपण की स्थिति अच्छी पाई गई ।

(19) लहलहे नहर से रजहरा रोड पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1000 गैबियन पौधे का निरीक्षण किया । पौधे की स्थिति अच्छी पाई गई ।

(20) लहलहे नहर से औरंगा नदी पर 2000 बैम्बू गैबियन वृक्षारोपण का निरीक्षण किया । पौधे की स्थिति अच्छी पाई गई । वृक्षारोपण से संबंधित रजिस्टर दिखलाया गया इसमें गैबियन की संख्या अंकित थी परन्तु पौधों की प्रजाति अंकित नहीं थी । निदेश दिया गया कि पौधे की प्रजाति अंकित की जाय ।

(कार्यवाही वन प्रमण्डल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी, लातेहार)

(21) सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, लातेहार के अन्तर्गत एक भी नर्सरी नहीं है, यह विचित्र बात है । अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास एवं संबंधित अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक, सामाजिक वानिकी इस ओर ध्यान दें और वांछित

कार्रवाई करें जिससे कि सामाजिक वानिकी वन प्रमण्डलों में पौधशाला का रख–रखाव किया जा सके ।

(कार्यवाही अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास/सामाजिक वानिकी)

गढ़वा सामाजिक वानिकी वन प्रमण्डल –

(22) इस प्रमण्डल का मुख्यालय गढ़वा है श्री श्याम बिहारी प्रसाद ने कुछ दिन पूर्व हीं योगदान दिये हैं ।

(23) औटी पी0एफ0 में कैम्पा योजना अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 हे0 में 83300 पौधों के वनरोपण कार्य का निरीक्षण किया गया । वृक्षारोपण क्षेत्र को कुल 10 हे0 में बांटा गया । 7900 कंटूर, 25 गली पैंलिंग 400 स्लाईड डिस्टीनेशन डैम बनाये जाने के लक्ष्य नक्शे में अंकित है । मुख्यतः सीसम, खैर, चकुण्डी, सागवान इत्यादि पौधे लगाये गये हैं ।

पौधों की स्थिति अत्यन्त खराब पाया गया । काफी पौधे 6" के पाये गये। यह कार्य उनके पूर्व अधिकारी श्री नागेन्द्र बैठा द्वारा कराया गया है । श्री बैठा से इस संबंध में स्पष्टीकरण पूछने की आवश्यकता है । संबंधित अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करते हुए वृक्षारोपण कार्य में वांछित सुधार करावें एवं वस्तुस्थिति से मुझे अवगत करायें । इस प्रमण्डल के कार्यालय में 05 सहायकों का स्वीकृत बल है जिसके विरूद्ध 05 सहायक वहां पदस्थापित हैं ।

मेदिनीनगर वन प्रमण्डल –

(24) यह सबसे बड़ा वन प्रमण्डल है, जिसमें श्री नरेश चन्द्र मुण्डा नये वन प्रमण्डल पदाधिकारी ने कुछ दिन पूर्व हीं योगदान दिया है । वन प्रमण्डल में 09 रेंज है । 27 वनपाल के स्वीकृत बल के विरूद्ध 22 वनपाल तथा 150 वनरक्षी के स्वीकृत बल के विरूद्ध 21 वनरक्षी पदस्थापित है ।

(25) समीक्षा के क्रम में ज्ञात हुआ है कि पाटन वनरोपण प्रक्षेत्र में 2400 गैबियन के विरूद्ध वन क्षेत्र पदाधिकारी ने मात्र 700 गैबियन वृक्षारोपण का कार्य किया तथा इसके अतिरिक्त भी इस रेंज में काफी अनियमितताओं की बात बताई गई । क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक को निदेश दिया गया कि इस संबंध में एक विस्तृत प्रतिवेदन

अधोहस्ताक्षरी को भेजें जिसे समीक्षा कर अग्रेत्तर कार्रवाई करने का निर्णय लिया जा सके ।

(26) **पीरवार पी0एफ0** – पीरवार पी0एफ0 में कैम्पा योजना अन्तर्गत 83300 पौधों के वृक्षारोपण के कार्य का निरीक्षण किया । यह वृक्षारोपण वर्तमान वित्तीय वर्ष में किया गया । वृक्षारोपण क्षेत्र पहाड़ी है जिसमें पूर्व से बांस के पौधे थे इसलिए यहां (17000) बांस के पौधे हीं लगाये गये हैं । निदेश दिया गया कि कम से कम 50 से 60 प्रतिशत बांस के पौधे हीं लगाये जांय एवं मरे हुए पौधे को बांस के पौधों से ही Replace किया जाय । पौधे की स्थिति अच्छी पाई गई । इस प्रक्षेत्र में श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा वन क्षेत्र पदाधिकारी हैं ।

(27) जोरकट पी0एफ0 में चैक डैम, जो कैम्पा योजना के अन्तर्गत बनाया गया है, का निरीक्षण किया । यह कार्य काफी अच्छा है । देखा गया कि ग्रामीण पाईप और मोटर लगाकर इससे खेती कार्य में भी मदद ले रहें हैं । चैक डैम को Establishment करने के लिए विभिन्न प्रकार के घास लगाने का सुझाव दिया जिससे कि चैक डैम स्थापित हो सके । इसके इस्तेमाल में JFM समितियां को envolve करने का निदेश दिया गया ।

(28) मेदिनीनगर वनरोपण अंतर्गत सुआकोडीया रोड में तीसरे वर्ष में 1000 पौधे के वृक्षारोपण का कार्य देखा । वृक्षारोपण का कार्य अच्छी नहीं पाई गई इसमें वांछित सुधार हेतु संबंधित अधिकारी कार्य करें ।

(29) पुरनडीह पी0एफ0 में वर्ष 2014–15 में लाह पोषण पौधे के वृक्षारोपण का निरीक्षण किया । 73 हे0 क्षेत्र में 1,21,618 पौधे लगाये गये हैं सामान्य आकलन से कुछ पौधे मरे हुए पाये गये जिन्हें Replace करने की कार्रवाई की जाय ।

(30) **कुन्दरी वन प्रक्षेत्र** – कुन्दरी वन प्रक्षेत्र में ग्रामीणों से लाह पोषक वृक्षों के संबंध में वार्ता की । ग्रामीणों ने बताया कि ब्रूड लैक समय पर मिलना एक समस्या है जिसके कारण योजना सफल नहीं होती है और ग्रामीणों को वांछित लाभ नहीं मिल पाता है ।

ब्याघ्र योजना –

(31) ब्याघ्र परियोजना के कार्यों एवं इसके अंतर्गत कार्यरत Core एवं Buffer प्रमण्डल के कार्यों की भी समीक्षा किया एवं आवश्यक निदेश दिये गये ।

4. **सामान्य निदेश** :

उपरोक्त भ्रमण के क्रम में प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित वन अधिकारियों को सामान्य निदेश दिये जा रहे हैं :–

i. राज्यसात वाहनों के निष्पादन की कार्रवाई की स्थिति दयनीय है । बताया गया कि एम0भी0आई0 द्वारा वाहन का मूल्य निर्धारित नहीं करने के कारण कठिनाई हो रही है । इस संबंध में प्रतिवेदन दें जिससे कि इस विषय को सरकार के स्तर पर रखा जा सके ।

ii. लेखा समर्पण – एफ0डी0ए0, कैम्पा एवं मनरेगा इत्यादि के लेखा समर्पण की स्थिति विभिन्न प्रमण्डलों में अत्यन्त ही दयनीय पाई गई है । एक माह के अन्दर हर हालत में सुधार किया जाय अथवा संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाय ।

iii. मेदिनीनगर प्रक्षेत्र में क्षतिपूरक वनरोपण 324.195 हे0 के स्थान पर मात्र 49.82 हे0 ही किया गया है । अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैम्पा इसकी समीक्षा करें एवं वांछित कार्रवाई करें ।

iv. वन विभागीय विभिन्न कार्यालयों में सहायकों एवं अन्य कर्मचारियों यथा – वनरक्षी, वनपाल एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी में तकनीकि दक्षता में बढ़ोत्तरी हेतु प्रशिक्षण की कार्रवाई आवश्यक है । संबंधित अधिकारी अपने स्तर से इस ओर ध्यान देते हुए उचित कार्रवाई करें ।

v. सभी वन प्रमण्डलों में वनरक्षियों की अत्यधिक कमी है । इसी प्रकार सहायकों का बल भी अति विचित्र है । कहीं पूरी संख्या है और राज्य के अन्य प्रमण्डलों में सहायकों की कमी भी है । मानव संसाधन विकास के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक / मुख्य वन संरक्षक इस ओर कार्रवाई करें और यदि आवश्यक हो तो विभिन्न प्रमण्डलों में जाकर स्थिति में आवश्यक सुधार करें ।

(अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन)

vi. क्षेत्र निदेशक, ब्याघ्र परियोजना ने बताया कि उनके क्षेत्र के अन्तर्गत एक भी पौधशाला नहीं है । क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, मेदिनीनगर ने बताया कि वे दो स्थायी पौधशाला क्षेत्र निदेशक को शीघ्र हस्तान्तरित कर सकते हैं । संबंधित सभी अधिकारी इस हेतु उचित कार्रवाई करें ।

(अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास)

vii. कुछ सहायकों को स्थानान्तरण अपने वर्तमान स्थान से काफी पूर्व ही हुआ है । परन्तु इसका अनुपालन नहीं किया गया है । इसकी समीक्षा कर अविलम्ब 2–3 दिनों में अनुपालन कराया जाय ।

(मानव संसाधन)

viii. ब्याघ्र परियोजना के क्षेत्र में हेविटेट सुधार हेतु बांस के बखार में वांछित कार्रवाई करें, जैसे – मिट्टी चढ़ाना इत्यादि आवश्यक है । यह कार्य मनरेगा से भी किया जा सकता है । संबंधित अधिकारी इसकी समीक्षा कर उचित कार्रवाई करें ।

(ब्याघ्र योजना)

ix. ब्याघ्र क्षेत्र में ईको–टूरिज्म के माध्यम से ग्रामीणों को वन प्रबंधन में सहायता प्राप्त करने की कार्रवाई की जाय ।

(ब्याघ्र योजना)

x. गढ़वा दक्षिणी प्रमण्डल एवं अन्य प्रमण्डलों में वन भूमि के नक्शा अमीन के प्रभार में है। ऐसे कई मामले सामने आये हैं जिसमें गड़बड़ी हुई है । अतः सभी वन अभिलेख, नक्शे एवं नोटिफिकेशन्स स्कैन कराकर कई कम्प्यूटर में रखा जाय । नक्शे एवं नोटिफिकेशन वन प्रमण्डल पदाधिकारी के निजी प्रभार में रखे जायें।

xi. जल छाजन योजना अन्तर्गत कई प्रमण्डलों में सोसल मोबलाईजेर एवं ईंजिनियर इत्यादि पदस्थापित है । कार्य के हिसाब, सोसल मोबलाईजेर का जे0एफ0एम0 को बढ़ाने देने में सहयोग लिया जाय ।

xii. **लाह विकास** – लाह से संबंधित योजना की पूर्ण समीक्षा की जाय । अन्य संसाधन एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा इस क्षेत्र में किये गये कार्य की जानकारी प्राप्त कर बेस्ट प्राइक्टिश को अपनाते हुए योजना

को पुर्ननिर्मित करने की आवश्यकता है जिससे की लाह के माध्यम से ग्रामीणों को अधिक से अधिक जीवकापार्जन हो सके ।

(अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास)

(बी0सी0 निगम)
प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, रांची ।

ज्ञापांक : IIE-19(A) 36/15 — 2697 दिनांक : 18.08.15

प्रतिलिपि प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड, रांची / प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची / सभी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक / सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक / सभी मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड / सभी वन संरक्षक / सभी वन प्रमण्डल पदाधिकारी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, रांची ।

ज्ञापांक : IIE-19(A) 36/15 – 2697 दिनांक : 18.08.15

प्रतिलिपि प्रधान सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार, रांची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, रांची ।

ज्ञापांक : IIE-19(A) 36/15 — 2697 दिनांक : 18.08.15

प्रतिलिपि ENVIS Centre, वन भवन, डोरण्डा, रांची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

18/8/15

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखण्ड, रांची ।